

शीर्ष शोधकर्ताओं और डॉक्टरों ने अखास्थ्यकर पैकेज भोजन पर वार्निंग लेबल लगाने के लिए कहा, एचएसआर ने इसे अधीकार कर दिया

प्रभात मेडी नेटवर्क

लखनऊ। प्रमुख राष्ट्रीय सोशल वैज्ञानिकों द्वारा किए गए एक राष्ट्रीय अध्ययन से पता चला है कि भारतीय उपभोक्ता न्यूट्रिएंट्स से भरपूर पैकेज्ड खाद्य पदार्थों के आगे वार्निंग लेबल लगाने के लिए तैयार हैं। एक रेंडमाइज्ड कंट्रोल फ़ील्ड एक्सपरिमेंट किया गया जिसमें 6 राज्य शामिल हुए। इस एक्सपरिमेंट से वही बात सामने आई जो एक लंबे समय से सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ तथा शीर्ष डॉक्टर कह रहे हैं। उन्होंने एक सरल, नेगेटिव वार्निंग लेबल लगाने के लिए अपनी बात रखी है जोकि स्पष्ट रूप से

अस्वास्थ्य कर उत्पादों की पहचान करती हैं तथा मधुमेह उच्च रक्तचाप तथा मोटापे जैसे स्वास्थ्य संकट जैसी स्वास्थ्य की समस्याओं से बचने के लिए सबसे अच्छा काम करती हैं। यह अध्ययन ऐसे समय में आया है जब कई वर्षों के अंतराल के बाद, एफएसएसएआई ने एक बार फिर से फ़ंट-ऑफ-पैकेज लेबल (एफओपीएल) विनियमन का मसौदा तैयार करने की प्रक्रिया शुरू की है। सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों, डॉक्टरों और उपभोक्ता अधिकार समूहों ने चेतावनी दी है कि भारत को एक प्रभावी लेबल डिजाइन को अपनाने के लिए साक्ष्य और विज्ञान पर भरोसा करना चाहिए।

शीर्ष शोधकर्ताओं और डॉक्टरों ने अस्वास्थ्यकर पैकेज भोजन पर वार्निंग लेबल लगाने के लिए कहा, एचएसआर ने इसे अस्वीकार कर दिया

इंदौर। प्रमुख राष्ट्रीय सोशल वैज्ञानिकों द्वारा किए गए एक राष्ट्रीय अध्ययन से पता चला है कि भारतीय उपभोक्ता न्यूट्रिएंट्स से भरपूर पैकेज खाद्य पदार्थों के आगे वार्निंग लेबल लगाने के लिए तैयार हैं। एक रेंडमाइज्ड कंट्रोल फील्ड एक्सपरिमेंट किया गया जिसमें 6 राज्य शामिल हुए। इस एक्सपरिमेंट से वही बात सामने आई जो एक लंबे समय से सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ तथा शीर्ष डॉक्टर कह रहे हैं। उन्होंने एक सरल, नेगेटिव वार्निंग लेबल लगाने के लिए अपनी बात रखी है जोकि स्पष्ट रूप से अस्वास्थ्य कर उत्पादों की पहचान करती है तथा मधुमेह उच्च रक्तचाप तथा मोटापे जैसे स्वास्थ्य संकट जैसी स्वास्थ्य की समस्याओं से बचने के लिए सबसे अच्छा काम करती है।

Reader Messenger

शीर्ष शोधकर्ताओं और डॉक्टरों ने अस्वास्थ्यकर पैकेज मोजन पर वार्निंग लेबल लगाने के लिए कहा, एचएसआर ने इसे अधीकार कर दिया

रीडर्स मैसेंजर नेटवर्क

लखनऊ। प्रमुख राष्ट्रीय सोशल वैज्ञानिकों द्वारा किए गए एक राष्ट्रीय अध्ययन से पता चला है कि भारतीय उपभोक्ता न्यूट्रिएंट्स से भरपूर पैकेज्ड खाद्य पदार्थों के आगे वार्निंग लेबल लगाने के लिए तैयार हैं। एक रेंडमाइज्ड कंट्रोल फील्ड एक्सपरिमेंट किया गया जिसमें 6 राज्य शामिल हुए। इस एक्सपरिमेंट से वही बात सामने आई जो एक लंबे समय से सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ तथा शीर्ष डॉक्टर कह रहे हैं। उन्होंने एक सरल, नेगेटिव वार्निंग लेबल लगाने के लिए अपनी बात रखी है जोकि स्पष्ट रूप से अस्वास्थ्य कर उत्पादों की पहचान करती हैं तथा

मधुमेह उच्च रक्तचाप तथा मोटापे जैसे स्वास्थ्य संकट जैसी स्वास्थ्य की समस्याओं से बचने के लिए सबसे अच्छा काम करती हैं।

यह अध्ययन ऐसे समय में आया है जब कई वर्षों के अंतराल के बाद, एफएसएसएआई ने एक बार फिर से फंट-ऑफ-पैकेज लेबल (एफओपीएल) विनियमन का मसौदा तैयार करने की प्रक्रिया शुरू की है। सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों, डॉक्टरों और उपभोक्ता अधिकार समूहों ने चेतावनी दी है कि भारत को एक प्रभावी लेबल डिजाइन को अपनाने के लिए साक्ष्य और विज्ञान पर भरोसा करना चाहिए।

उपभोक्ता न्यूट्रिएंट्स से भरपूर पैकेज खाद्य पदार्थों के आगे वार्निंग लेबल लगाने के लिए तैयार

नई दिल्ली। शीर्ष शोधकर्ताओं और डॉक्टरों ने अस्वास्थ्यकर पैकेज्ड भोजन पर वार्निंग लेबल लगाने के लिए कहा, एचएसआर ने इसे अन्वेषकार कर दिया प्रमुख राष्ट्रीय सोशल वैड्ज़निकों द्वारा किए गए एक राष्ट्रीय अध्ययन से पता चला है कि भारतीय उपभोक्ता न्यूट्रिएंट्स से भरपूर पैकेज्ड खाद्य पदार्थों के आगे वार्निंग लेबल लगाने के लिए तैयार है। एक रेडमाइन्ड कंट्रोल फॉर्म एक्सपेरिमेंट किया गया जिसमें 6 राज्य शामिल हुए। इस एक्सपेरिमेंट से बही बात सामने आई जो एक सब्समय से मार्केज़निक स्वास्थ्य विशेषज्ञ तथा शीर्ष डॉक्टर कह रहे हैं। उन्होंने एक सरल, नेटोरिटिव वार्निंग लेबल लगाने के लिए अपनी बात रखी है जोकि स्पष्ट रूप से अस्वास्थ्य कर उत्पादों की पहचान करती हैं तथा मधुमेह उच्च रक्तचाप तथा मोटापे जैसे स्वास्थ्य संकट जैसी स्वास्थ्य की समस्याओं से बचने के लिए सबसे अच्छा काम करती है। यह अध्ययन ऐसे समय में आया है जब कई बर्पों के अंतराल के बाद,

एफएसएसएआई ने एक बार पिर से फांट-ऑफ-पैकेज लेबल (एफओपीएल) विनियमन का बसीए तैयार करने की प्रक्रिया शुरू की है। सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ, डॉक्टरों और उपभोक्ता अधिकार समूहों ने चेतावनी दी है कि भारत को एक प्रभावी लेबल डिजाइन को अपनाने के लिए साध्य और विज्ञान पर भरोसा करना चाहिए। 2022 की शुरुआत में यह फॉर्म रिसर्च, राष्ट्रीय चरित्रात्मक स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) और सॉनिट्रियूडिनल एंजिन जैसे ऑफ इंडिया (एलएएसआई) जैसे ऐतिहासिक सर्वेक्षणों के लिए जाने जाने वाले भारत के प्रमुख अनुसंधान और शिक्षण संस्थान, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक साइंस द्वारा सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए अध्योजित किया गया था। प्रिसिपल इन्वेस्टिगेटर डॉ एस के सिंह, प्रोफेसर, आईआईपीएस, मुम्बई, ने इस अनुसंधान को महीने समय पर तथा पूरी तरह से सार्वांगिक बताते हुए कहा, ठीकें ने उस विज्ञान को पुष्ट करते हुए बात की है जिसे हम सभी जानते हैं।

शीर्ष शोधकर्ताओं और डॉक्टरों ने अस्वास्थ्य कर पैकेज भोजन पर वार्निंग लेबल लगाने के लिए कहा, एचएसआर ने इसे अखीकार कर दिया

CONSUMER VOICE

लखनऊ। प्रमुख राष्ट्रीय सोशल वैज्ञानिकों द्वारा किए गए एक राष्ट्रीय अध्ययन से पता चला है कि भारतीय उपभोक्ता न्यूट्रिंट्स से भरपूर पैकेज खाद्य पदार्थों के आगे वार्निंग लेबल लगाने के लिए तैयार हैं। एक रेडमाइग्ड कंट्रोल फैसल एक्सपरिमेंट किया गया जिसमें 6 राज्य शामिल हुए। इस एक्सपरिमेंट से यही चात सामने आई जो एक लंबे समय से सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ तथा शीर्ष डॉक्टर कह रहे हैं। उन्होंने एक सरल, नेटोटिव वार्निंग लेबल लगाने के लिए अपनी चात रखी है जोकि स्पष्ट रूप से अस्वास्थ्य कर उपायों की पहचान करती है तथा मधुमेह उच्च रक्तचाप तथा मोटापे जैसे स्वास्थ्य संकट जैसी स्वास्थ्य की समस्याओं से बचने के लिए सबसे अच्छा काम करती है। यह अध्ययन

(एफओपीएल) विनियमन का मस्तौद तैयार करने की प्रक्रिया शुरू की है। सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों, डॉक्टरों और उपभोक्ता अधिकार समूहों ने चेतावनी दी है कि भारत को एक प्रभावी लेबल डिजाइन को अपनाने के लिए साथ और विज्ञान पर भरोसा करना चाहिए।

2022 की शुरुआत में यह फैसल रिसर्च, राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य संकेतण (एनएफएचएस) और सॉनान्ट्रियुडिनल एजिंग सर्वे ऑफ इंडिया (एलएसआई) जैसे ऐतिहासिक संकेतणों के लिए जाने जाने वाले भारत के प्रमुख अनुसंधान और शिक्षण संस्थान, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ प्रॉफिलक साईंस द्वारा सार्वजनिक स्वास्थ्य के हित में आयोजित किया गया था। प्रिसिपल इन्वेस्टिगेटर डॉ एस के सिंह, प्रोफेसर, आईआईपीएस, मुंबई, ने इस

अनुसंधान को सही समय पर तथा पूरी तरह से साइर्टीफिक बताते हुए कहा, «लोगों ने उस विज्ञान की पुष्टि करते हुए चात की है जिसे हम सभी जानते हैं। स्पष्ट रूप से दिखाने वाले सरल एवं नेटोटिव वार्निंग लेबल किसी भी उपाद के बारे में सही जानकारी देंगे तथा साथ ही साथ खरीदारी के निर्णय को भी प्रभावित करेंगे। वार्निंग लेबल ही एकमात्र एफओपीएल थे जिसके कारण स्वास्थ्य उपायों के प्रति उपभोक्ता खरीद निर्णय में महत्वपूर्ण बदलाव आया। इसने पोषण संबंधी जानकारी को सबसे प्रभावी ढंग से प्रसारित किया और जैसा कि हम पिछले सालों से जानते हैं, कि यदि जनता को उनके स्वास्थ्य के प्रति ऊंचत सदिश दिया जाए तो खानपान से जुड़े हुए उनके अवलोकन में हमेशा सकारात्मक बदलाव देखा गया है। मैं वास्तव में आशान्वित हूं कि यह महत्वपूर्ण अध्ययन एफएसएसएआई के निर्णय को प्रभावित करेगा ज्योंकि यह एफओपीएल को भारत के बेहद ज़रूरी समझते हैं।